



Vidya Bharati *Akhil Bhartiya Shiksha Sansthan*

www.vidyabharti.net

Vol. - 2 No.- 10

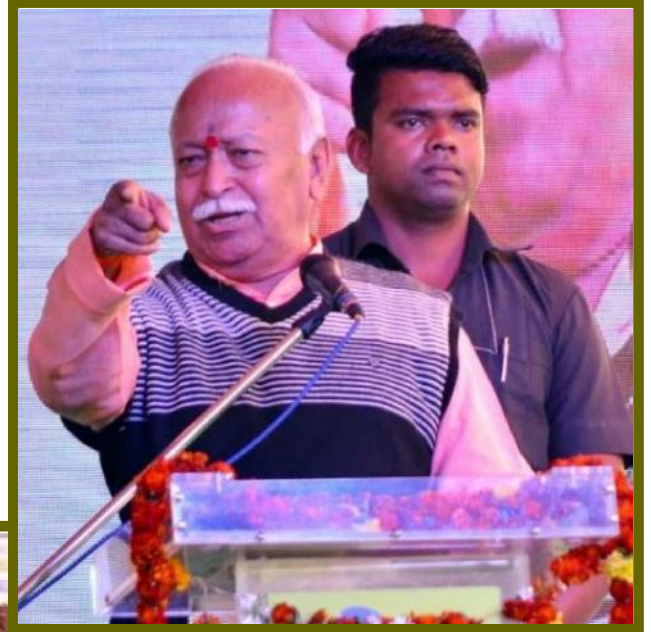
NEWS LETTER

January 2020

16,000 Participate In Alumni Meet Of Telangana & Andhra Pradesh

Sri Saraswathi Vidyappetham, an institution under Vidya Bharati Akhila Bhartiya Shiksha Sansthan runs approximately 400 schools in the name of Sri Saraswati Shishu Mandir in the states of Telangana and Andhra Pradesh. Total alumni strength of these schools is approximately 2 lakhs.

On Dec 29, 2019 Sunday, Poorva Vidyarthi Parishat (PVP)



A total of approximately 16,000 persons, which included alumni & others and many VIPs participated in the event and made it a grand success.

committees of Telangana and Andhra Pradesh conducted a Poorva Vidyarthi Maha Sammelan for the alumni of Sri Saraswathi Vidyapeetham in the states of Telangana and Andhra Pradesh.

Paramapoojaneeya Sarsanghachalak Of RSS Mananeeya Dr Mohan Bhagawat ji was the chief guest on this occasion and addressed the gathering with his words of wisdom. He inspired many young people with

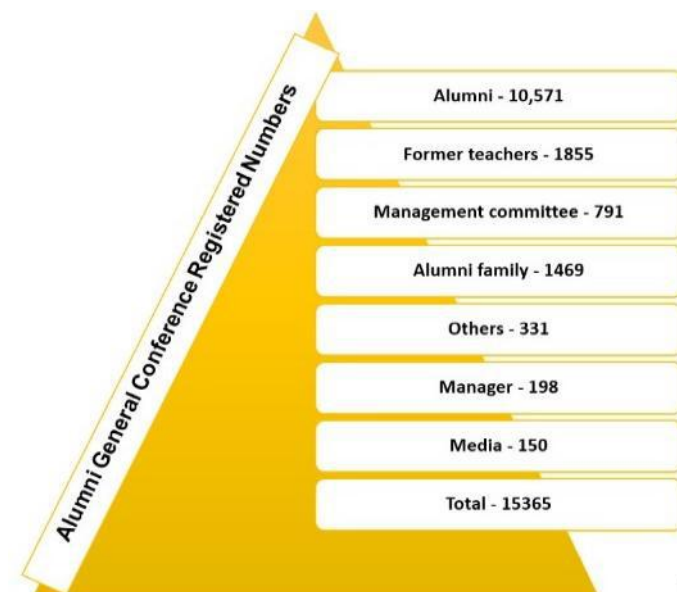
his thoughts and appealed all the alumni to work towards the unity of India.

Minister of State for Home Affairs, Shri G Kishan Reddy was also present in this event as a guest speaker and inspired all the alumni with his nationalistic thoughts. Rashtra Sevika Samiti national general Secretary Smt. Seethakka, was also present. She is also an alumni of Vidya Bharti.

Representatives from all prantha poorva chatra parishat

committees were also present in this event as guests. Total of 150 participants from 40 pranthas were present in this event. This event was registered in Wonder Book of Records and Royal Success International as the biggest alumni event that has happened as on today. They have issued a certificate in this regard.

We have also applied to Guinness Book of World records and Limca Book of Records to register this event as the biggest alumni event. They are yet to issue the certificate.




18th All India Mathematics-Science Fair Concludes In Kanpur

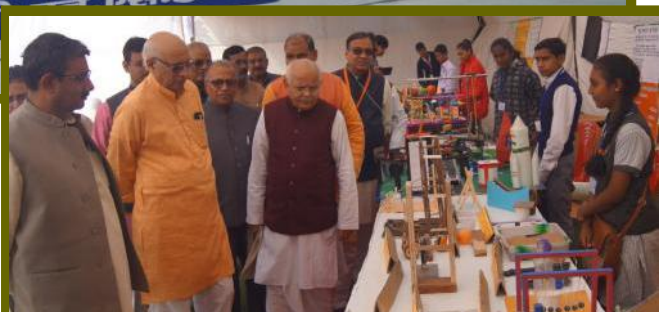


The 18th All India Mathematic-Science Fair was held in Kanpur from 30th November to 4th December.

A total of 822 students, from all the 11 zones, participated in this annual event. These students were from three groups – a) Bal Varg for students of class 6 to 8; b) Kishore Varg for students of class 9 and 10, and c) Tarun Varg for students of class 11 and 12.

There were 298 models of Mathematics and Science, prepared by the students, on display in the fair.

Competitions in 29 categories were held in each of the three groups among the students coming from all



The competitions were held in different categories : Science Models, Science Paper Reading, Experiments, Quiz, and Paper Presentation by Teachers. Similarly for mathematics the different categories were : Vedic Ganit Quiz, Vedic Ganit Paper Presentation, Mathematics Exhibition, Vedic Ganit Models and Veg Paper Presentation by Teachers.

व्हील चेयर का मॉडल।

बेसिक शिक्षा मंत्री ने पत्रकारों को बताया कि बेसिक शिक्षा के स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के लिए खोलकर के मैगन सम समाज को जमीनी पर बनाया जाएगा। अपने सूर से बेसिक शिक्षा के सभी स्कूल डाइजिटल निगरानी में रहेगे। प्रेरणा पुर से बच्चों को उपयुक्ति, शिक्षकों की मॉनिटरिंग, मि-ड-हवाय स्कूलों में सफ्ट ऑनलाइन हो जायेगे। प्रदर्श के तोंड हजार स्कूलों में सफ्ट क्लास पुस्त हो चुके हैं। 12 हजार अन्य स्कूलों में सफ्ट क्लास के लिए बजट को व्यवस्था की जा रही है। बताया कि सभी जिलों में स्टेटर भेज दिए गए हैं।

गणित-विज्ञान मेला

इंटरनेट प्रकारा का गति से चलेगा।
चउटर की जगह बल्ल ले लेंगे। फिल्म
पल भर में डाउनलोड होगी। 5 जी के
प्रयोगों के बीच 12वीं के छात्र अभिनव
औधरन ने 'लाई-पाई' के माध्यम से इस
कर दिखाया। अभिनव केरल से हैं और
विश्व भारती के 18वें राष्ट्रीय गणित
विद्वान सेमी में भाग ले रहे हैं।

[illegible]

गणित के रोचक मॉडल

प्रदर्शनी में गणित के 50 से अधिक मॉडल ऐसे थे जो रीचकता के स गणित पढ़ाने में मददगार साबित सकते हैं। इनमें कैलक्युलेटर से जुड़े 3 मॉडल थे जो ज्योमितीय पढ़ाने में लाभदायक थे।

■ कानपुर (एसएनबी) ।

बौध्दधर्मसंघी शिक्षा निकेतन में चल रहे गणित विज्ञान मेले के तीसरे दिन हिमाचल के रोशन जिले से आयी कक्षा 12 की छात्रा सिमरन शर्मा ने मॉडल के जरिये बताया कि भारत बेरियम से यूरेनियम-233 बना कर न्यूक्लियर प्लांट में इसका उपयोग कर विद्युत उत्पादन कर सकता है। मेले में विभिन्न प्रतिযোগिताओं का आयोजन किया गया।

गणित विज्ञान मेले के तीसरे दिन सिमरन का वह मॉडल आकर्षण का केंद्र रहा, जिसके जरिये वह बताया गया है कि

मॉडल से हिमाचल के सोलन जिले की छात्रा ने बताया तरीका

बचत श्रेणी। यही नहीं सिमान्त ने दावा किया कि खीरिया ये यूरोपियन बना कर भारत विश्व का सबसे बड़ा न्यूक्लियर प्लांटों पर उत्तरदायक बन सकता है, जबकि मौजूदा समय में देश के 7 न्यूक्लियर प्लांटों में देश की कुल बिजली का 2 फीसद ही उत्पादित होती है। मेले के संयोजक श्याम अरोड़ा व यह संयोजक डॉ. अश्वि सिंह ने बताया कि कुश्वाह को मेले का सम्मान श्रेणी। सम्मान समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनन्दी बेनर्जे, मुख्य मंत्री, पुलिसाई और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। विद्या भारती की ओर से आयोजित 18वें राष्ट्रीय विज्ञान और वैदिक गणित मेले का नुस्खार को समाप्त हो गया। उत्तर पूर्व क्षेत्र (बिहार-झारखंड) के स्कूलों ने बाजी मार कर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। आईआईटी के निदेशक डॉ. अमर करंदीकर ने टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

मेले में देश के 24 राज्यों और नौ केन्द्र शासित प्रदेशों के लगभग 700 बच्चों ने अपना हुनर दिखाया। 60 से ज्यादा प्रतियोगिताएँ हुईं। कु. करीन्द्रा ने कु. कि गणित और शैक्षिक कौशल कार्यक्रम का हिस्सा बनकर शीशु कला बनकर सीधे वैश्व गणित केंद्र पर पूर्व बच्चों के प्रत्यक्ष प्रदर्शक आर्य ने बताया कि विहार ए. राजखंड से 57 विजेता यहाँ आए थे। इन्होंने मैथिलीभाषा में प्रश्न, निष्कर्ष और आदि से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किए। विज्ञान वर्ग में छात्रों ने कम्प्यूटर, गणित, कृषि, कला, अणु प्रयोग और मॉडल प्रस्तुत किए थे। इस मौके पर विचारों के प्रसार के अलावा

इनको मिले मेडल

पूरी उत्तर प्रदेश क्षेत्र को विभाजित प्रदर्शनी में दो, वैदिक जगल में पांच, दक्षिण प्रभाग क्षेत्र को वैदिक जगल में एक, विभाजित प्रदर्शनी में एक, पञ्चमावली में एक, मध्य क्षेत्र को विभाजित प्रदर्शनी में एक, वैदिक जगल में पांच, उत्तर क्षेत्र को विभाजित प्रदर्शनी में दो, पञ्चमावली में दो, पश्चिमी पट्टी को प्रश्न पत्र में एक, विभाजित प्रदर्शनी में दो पत्र और पञ्चमावली में एक छोले मेडल मिला।

भाजेंद्र, रमाम अरोड़ा, हरमंदर सिंह लखौरी, वीरेंद्र जीत सिंह, अंगद सिंह, मंगल सुक्कला, मन्ना लिवारी, शिव कुमार आदि प्रशस्ति पत्रे।

बाएं से श्याम अरोड़ा, वीरेंद्र जीत सिंह और आईआईटी के निदेशक अभय कर्लीवाल का गुरु सिंह सभा के प्रधान हरविंदर सिंह लांडा ने सम्मान दिया।

नय करदाकर न टाम का सम्माननत किया

“हम इसीलिए सिस्टम पर गैरलक्ष्य बनाया था। राष्ट्रीय स्तर पर हमारे क्षेत्र को ओवरऑल रैंकिंग देना गया है। खोया नहीं था कि हमारा क्षेत्र इस मुकाम को हासिल - अर्थात् अंतराज्यीय स्तर पर - हासिल कर चुका है।”

“बाबू टेन्सोल्सो
इन ह्यूमन
केलफेपर विषय पर
मॉडल प्रस्तुत किया
था। यहां आकार बहुत कुछ
सहीने को मिला है। -रोहिणी
सम्राट्, २०००

“ पहली बार किसी इन्वेंशन में भाग लेकर यहां तक पहुंचे हैं। फेडरल रेजिडेंट ब्रान्च का रीजियल

“वैदिक मण्डल के कॉनिक् मंडल को प्रशस्त किया था।

पहली बार किसी ग़रीब राज्य में आकर प्रदर्शन किया है। शिक्षकों के सहयोग से ही सफलता मिल सकी है। - सोनाली कुमारी, मुंगेर (बिहार)

13th National Educational Seminar Held In Odisha

Educating for Global Citizenship : Issues in Curriculum, Learning and Assessment



The present century witnesses the prevalence of the complex weave of interconnected communities which demands educating the coming generations for global citizenship to meet all its challenges. With a purpose of inculcating values, ethics, social responsibility, civic engagement among the global citizens and to enable them to face the global hazards for a sustainable peaceful & inclusive society, a two days National Seminar on “*Educating for Global Citizenship: Issues in Curriculum, Learning and Assessment*” was organized by Shiksha Vikash Samiti, Odisha on 23rd & 24th November 2019 at Saraswati Vidya Mandir, Gatroutpatna, Cuttack.

Realizing the relevance of the topic as many as 121 learned delegates from various parts of the country registered for deliberation and participation and 77 selected papers were presented in three parallel technical sessions.

All the esteemed guests were introduced by Dr. S.K. Hati, the convener of National Seminar. He explained the purpose & theme of the seminar in his welcome address. The dignitaries were felicitated by Prof. B.K.Panda, Vice-President, SVS with

Shreephal & Uttariya. The book entitled ‘*Learning Outcomes at School Stage: Theory and Practice*’ based on the proceedings of the last year seminar, was unveiled by the guests. Dr. Tarulata Devi one of the editors put forth a brief description about the book.

In the inaugural address Prof. Dr. Ishan Patro, V.C. of Ravenshaw University, as the chief guest of occasion, focused on the burning, issues of 21st century global society, with reference to philosophical, spiritual and scientific standpoint and he was very pragmatic and hopeful for the peaceful existence of upcoming generations.

Prof. Rabindra Ramchandra Kanhare, Pro-V.C. of IGNOU & Vice-President of Vidya Bharati, as the chief speaker of the Inaugural session, deliberated various challenges of environmental issues, human rights, and sustainable development on global perspectives.

Prof Nityananda Pradhan, Principal RIE, Bhopal in his keynote address, highlighted the key thematic

areas of global citizenship education focusing on curriculum, approaches, research evidences & strategies for preparing teachers to educate for global citizenship.

The session came to an end with the multilingual presidential address by Prof. Dr. Basant Kumar Panda, Vice President of SVS, Odisha. He enlightened the house with the configuration of Indian traditions, cultures, values, ethics & wish for a inclusive sustainable society. A formal vote of thanks was given by Dr. Sidhanath Sahoo, coordinator of the seminar.

After the lunch break the 1st technical session began with the Prof. Dr. N. Pradhan as chair, Dr. Latika Mishra, Asst. Director IGNOU as co-chair & Dr. S.P. Mohanty, Asso. Prof. Dept. of Education, R.D. University and Sravan Bag, Asst. Prof., G.M.University, Sambalpur as rapporteur. Around 11 papers were presented by the participants.

Simultaneously in a parallel technical session 8 papers were presented with Dr. Kishore Chandra Mohanty, Mantri, Vidya Bharati as chairperson, Dr. Tarulata Devi, Asso. Prof. as co-chair & Dr. Jagyaseni Panigrahi, Asst Lect. in Education, Chhatrapur Women's college as rapporteur. The first day seminar was closed with a formal vote of thanks by Dr. Krupasindhu Karan, Asso. Professor.

In the evening session, a workshop on school-based evaluation was initiated by Prof. N. Pradhan. In the brain storming process, all 73 resource persons and

participants deliberated their views, opinions on the positive and negative aspects of external and internal based evaluation system.

On the second day two parallel sessions continued.

The two days long seminar came to close with valedictory session chaired by Dr. Binayak Das, President, SVS, Odisha. The guest introduction was given by Dr. Latika Mishra followed by the presentation of seminar report by Dr. T. Devi. The observation & opinions of the entire seminar proceedings was highlighted with great appreciation by Dr. Golak Bihari Giri, Rtd. Asso. Prof. of Delanga College, Puri, Dr. Ashok Mohanty, Principal, SVM, Damonjodi, Harish Kumar Pandey, Acharya, Jharkhand.

Prof. P.C.Agarwal, Principal, RIE, Bhubaneswar as Hon'ble Guest in his valedictory address focused on major global challenges of human rights, pollution, inequality etc, and emphasized on unity in diversities in multi-cultural environment. Dr. Kanhare as Hon'ble speaker focused on the sustainable development goals in the global agenda. Dr. K.C.Mohanty as Hon'ble guest addressed the theoretical & practical implementation of global citizenship education of 21st. century. Dr. Binayak Das in his presidential address highlighted on Indian perspective of integrating the global citizenship education in present educational scenario. At the end of the valedictory session, certificates of participation & paper presentation were distributed by the guests and a formal vote of thanks was proposed by Dr. S.K.Hati, convener of the seminar.

"Vidya Bharati Alumni In Social Service"

Four Students, Four Friends, One NGO And Power Of 1 Rupee Per Day



Shikhar Maywad is an alumnus of S.S.V.M Betul, MP. In 2016 after he passed his 10th examination, he and three of his closest friends went on different paths chasing their individual goals, but apart from their friendship, one more thing kept them close and that was their common aim of giving back to the society.

In the year 2017 Shikhar, along with his friends came up with a very unique idea through which students can contribute towards various social causes. They founded an NGO named 'Srijan Ek Soch' and got it formally registered on 2nd October 2019. Through this NGO they raised awareness among the students of nearby schools and colleges on the importance of social service and urged them to donate 1 rupee each day towards the social welfare. The movement gained momentum and soon they were able to collect

a considerable amount each month. They also started collecting funds during special events and festivals. The number of members in the group also grew from four to forty within a very short period of time.



The group utilizes the donated amount in several different kinds of social work like providing assistance to old age homes, orphanages, helping children with education, distributing winter clothes among the needy etc. The members also collect old books from various places around the city, recondition them if necessary and provide them to students in need.

The members make it a point to help at least 1 person each day which has enabled them to help more than 900 beneficiaries over the last 3 years.

According to Shikhar, the main aim of starting the organisation was to show people that one can help others,

no matter their social or financial status at any stage of life. If a group of students can help to make positive changes in the society with their limited resources, anyone can do the same. One has to only possess

positive intention along with strong will power. He further elaborates that being involved with organisations such as 'Srijan Ek Soch', helps children to develop a sense of social responsibility from an early age.

Social Activist, Journalist, Poet - Multiple Award Winner, Tara Chettur Menon Is A Woman On A Mission

Tara Chettur Menon, an alumna of **Vyasa Vidhya Peethom Kalekkad, Palakkad, Kerala**, is a woman possessing a fearless attitude both in her professional life, as well as her personal beliefs. With a masters degree in journalism from the **Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication**, Tara started her career as a journalist in 2004 with **Star News, Mumbai** and later continued to work in several well known media houses across India.

Her articles were published in recognized newspapers, such as **The Pioneer, Central Chronicle, Indian Express** etc. In 2005 she relocated to **Dubai**, where she freelanced for local magazines and worked with media department in an **Immigration Management Consultancy firm**. On returning to India in 2012, she joined central India's largest-selling English daily newspaper '**Hitavada**'.

Tara's work reflects her passion for voicing the concerns of the downtrodden as her articles mostly deals with subjects such as



environment, wildlife, women, Tribal rights, human rights children and marginalized groups.

Her work in the social sector has won her numerous awards and fellowships such as:

- # Laadli media National ward
- # Maja Koene social justice award
- # Fellowship with Centre for science and environment for her environmental report writing.
- # Felicitation by Madhya Pradesh Biodiversity Department, Child line, Lions club, Rotary club etc
- # Felicitation from child rights organizations working at national level

Apart from her work commitments, Tara is also associated

with many non government organizations who are involved with social work in the field of women empowerment, child rights and working against crime against women and children. She regularly participates in national and international forums to give voice to those whose concerns are generally overlooked by mainstream media.

When asked about her take on the topic of 'Women empowerment', Tara believes that although the efforts made by both the governmental and nongovernmental organisations are trading the right path, but due to the vastness of the subject, consistent effort is needed to strengthen legal laws without which she feels all efforts can become futile. She further clarifies that no matter on which subject policies are being drawn, it is crucial that the view of that group is taken into consideration.

Along with her fierce attitude, Tara poses an artistic soul. She is a passionate poet and story writer. **Some of her literary recognition include :**

- * 2014 – poem 'When it Rains' selected for upcoming album by Attic productions , Leukerbad, Switzerland.
- * 2010 - Poem titled 'Movements' selected by Anatr exhibition held at London.
- * 2009 - Poems titled 'Take it Easy' and 'As my pen moves' selected as best poems in variations on theme show aired in KFAI (90.3 FM

Minneapolis and K294AM 106.7 FM West St. Paul) a radio station in Minnesota.

- * 2009 - Poems selected and recognised by Sudan youth club under Love poems category.
- * 2008 - TV Show (Family Games show) done for Private Malayalam Channel (Kairali TV), Dubai , UAE.
- * Story for Sony Tv Serial 'Aaahat' (Horror show) selected and episode telecasted with due credit of script writing.
- * 2004 -Best Aids Awareness write up selected by South Indian bank under south zone category .
- * 2001 Poems and Articles published in Indian Express under young writers wing.

While discussing regarding the impact of Vidya Bharati on her life, Tara credited her school for teaching her discipline, tolerance and the value of patience in the face of adverse life circumstances.

Furthermore she wanted to convey the following message to all Vidya Bharati students : "Always have a questioning spirit as that can help you to evolve as a person who can contribute to society in a better manner ..speak against injustice in whatever small manner possible, respect teachers and develop the habit of listening."

Tara Chettur Menon is a true representation of an empowered woman and a positive role model for all Vidya Bharti students.

For more of such information visit <https://www.vidyabharatialumni.org/blog>

Education can change the world...

Mission of Vidya Bharati:-

Education can change the world. Sponsor a child's education in Vidya Bharati school. To develop a National System of Education which would help building a generation of young men and women that is committed to Hindutva and infused with patriotic fervour; physically, vitally, mentally and spiritually fully developed; capable of successfully facing challenges of life; dedicated to the service of those of our brothers and sisters who dwell in villages, forests, caves and slums; and are deprived and destitute, so that they are liberated from the shackles of social evils and injustice and thus devoted, may contribute to build up a harmonious, prosperous, and culturally rich Nation.

We have launched the Donation Page (www.vidyabharatialumni.org/donation) in the Vidya Bharati Alumni portal and Vidya Bharati Main Website (<http://www.vidyabharti.net/>).

Your support will help Vidya Bharati schools and students. For donation visit www.vidyabharatialumni.org/donation Today Vidya Bharati Akhil Bhartiya Shiksha Sansthan is the world's one of the largest educational NGOs having the largest private network of schools in India.

Kindly share this link with your friends and family to reach this message to thousands and request them to forward this further. Many, for sure, will come out and support.



Vidya Bharati Akhil Bhartiya Shiksha Sansthan

Like our Facebook page <https://www.facebook.com/vidyabharatiorg/>

Follow us on Twitter @VidyaBharati10